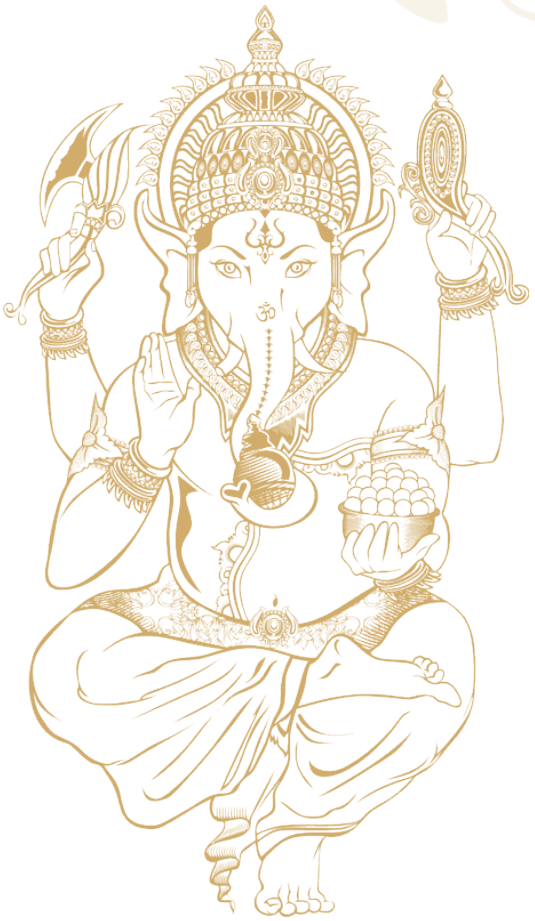

Mr.binayak mama g

24 Jan 1957

06:50 PM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 120888105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/01/1957**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:50:00 घंटे**
इष्ट	30:29:40 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:58:40 घंटे
वेलान्तर	-00:12:07 घंटे
साम्पातिक काल	03:13:02 घंटे
सूर्योदय	06:38:08 घंटे
सूर्यास्त	17:28:50 घंटे
दिनमान	10:50:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:02:54 मकर
लग्न के अंश	29:28:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:28:23	316:28:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मक	11:02:54	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	00:41:13	12:39:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	नीच राशि
मंगल			मेष	04:17:25	00:36:14	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध			धनु	18:28:08	00:20:04	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	08:25:52	00:01:34	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	21:22:14	01:15:02	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			वृश्चि	18:20:40	00:05:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु			वृश्चि	03:23:36	00:00:12	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	03:23:36	00:00:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष	व		कर्क	11:42:38	00:02:37	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	---
नेप			तुला	09:18:50	00:00:19	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		सिंह	06:32:32	00:01:19	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			मेष	27:26:24	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:42

लग्न-चलित

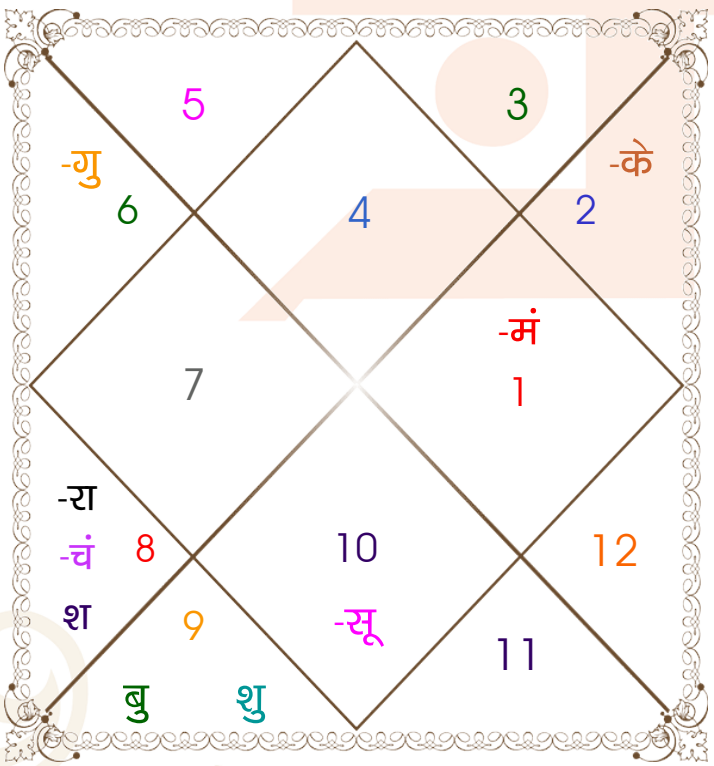

चन्द्र कुंडली

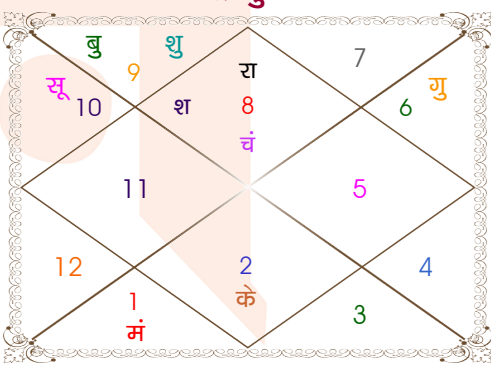

नवमांश कुंडली

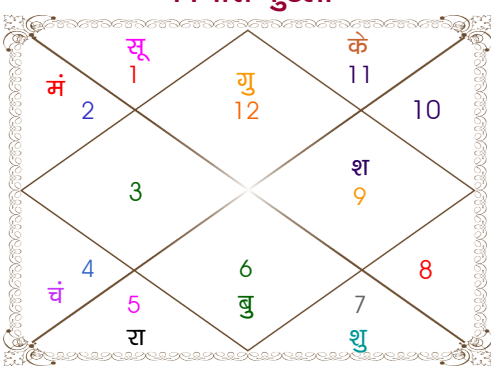

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 2 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/01/1957		29/03/1960		30/03/1979		29/03/1996		30/03/2003	
29/03/1960		30/03/1979		29/03/1996		30/03/2003		30/03/2023	
	00/00/0000	शनि	02/04/1963	बुध	26/08/1981	केतु	25/08/1996	शुक्र	29/07/2006
	00/00/0000	बुध	10/12/1965	केतु	23/08/1982	शुक्र	25/10/1997	सूर्य	30/07/2007
	00/00/0000	केतु	19/01/1967	शुक्र	23/06/1985	सूर्य	02/03/1998	चंद्र	29/03/2009
	00/00/0000	शुक्र	21/03/1970	सूर्य	29/04/1986	चंद्र	01/10/1998	मंगल	30/05/2010
	00/00/0000	सूर्य	03/03/1971	चंद्र	29/09/1987	मंगल	28/02/1999	राहु	29/05/2013
	00/00/0000	चंद्र	01/10/1972	मंगल	25/09/1988	राहु	17/03/2000	गुरु	28/01/2016
	24/01/1957	मंगल	10/11/1973	राहु	14/04/1991	गुरु	21/02/2001	शनि	30/03/2019
मंगल	04/11/1957	राहु	16/09/1976	गुरु	20/07/1993	शनि	02/04/2002	बुध	28/01/2022
राहु	29/03/1960	गुरु	30/03/1979	शनि	29/03/1996	बुध	30/03/2003	केतु	30/03/2023

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/03/2023		29/03/2029		30/03/2039		30/03/2046		29/03/2064	
29/03/2029		30/03/2039		30/03/2046		29/03/2064		00/00/0000	
सूर्य	18/07/2023	चंद्र	28/01/2030	मंगल	26/08/2039	राहु	10/12/2048	गुरु	17/05/2066
चंद्र	16/01/2024	मंगल	29/08/2030	राहु	13/09/2040	गुरु	05/05/2051	शनि	28/11/2068
मंगल	23/05/2024	राहु	28/02/2032	गुरु	20/08/2041	शनि	11/03/2054	बुध	06/03/2071
राहु	17/04/2025	गुरु	29/06/2033	शनि	28/09/2042	बुध	28/09/2056	केतु	09/02/2072
गुरु	03/02/2026	शनि	28/01/2035	बुध	26/09/2043	केतु	16/10/2057	शुक्र	10/10/2074
शनि	16/01/2027	बुध	29/06/2036	केतु	22/02/2044	शुक्र	16/10/2060	सूर्य	30/07/2075
बुध	22/11/2027	केतु	28/01/2037	शुक्र	23/04/2045	सूर्य	10/09/2061	चंद्र	28/11/2076
केतु	29/03/2028	शुक्र	28/09/2038	सूर्य	29/08/2045	चंद्र	12/03/2063	मंगल	24/01/2077
शुक्र	29/03/2029	सूर्य	30/03/2039	चंद्र	30/03/2046	मंगल	29/03/2064		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।